एन टी आई बुलेटिन 2001, 37/1-4, 39,

जूते की दूकान - डौट्स का सामान
कहानी यशपाल पुलानी की (गुडगाँव-हरियाणा)

यह कहानी श्री यशपाल पुलानी की है, जिनकी शिवाजी पार्क, जिला गुड़गांव, प्रान्त हरियाणा में जूतों की एक दूकान है । वह स्वयं भी क्षयरोगी थे जो अब पूरी तरह से स्वस्थ है । वह क्षयरोग नियंत्रण के इस नये कार्यक्रम से इतने प्रभावित हुए की उन्होंने स्वयं डौट्स उपलब्धकर्ता के कार्य को करने का निश्चय किया जिससे कि वह अपने क्षेत्र में भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दें सके।

श्री यशपाल पुलानी का जूता-स्टोर गुड़गाँव शहर के एक व्यस्त बाजार में स्थित है । अपने व्यवसाय के साथ - साथ वह डौट्स उपलब्धकर्ता के दायित्वों का कुशलता के साथ परिपालन कर रहे हैं । उनके पास 20 क्षयरोगी है जिनका उपचार चल रहा है । जबकि 8 क्षयरोगियों ने उनकी देखरेख में अपना उपचार पूरा कर लिया है । वह इस कार्यक्रम के लिए इतने समर्पित है कि उन्होंने अपनी दूकान में क्षयरोग की दवाइओं को रखने के लिए एक शेल्फ भी रखी है, जिसमें उन्होंने रोगियों के दवाइयों के डिब्बों को एक क्रम में व्यवस्थित किया है । वह न केवल रोगियों को दवा उपलब्ध कराते है, बल्कि प्रत्येक रोगी का उचित रिकार्ड एवं उनसे अच्छा व्यवहार भी बनाये हुए हैं । कोई भी डिफाल्टर नहीं है, यदि कोई होता भी है तो वह रोगियों के घर जाकर इसके कारणों का पता लगाते हैं । वह प्रायः क्षयरोगियों को उत्साहित करते है, डिफाल्टरों को पुनः दवा के लिए बुलाते हैं तथा क्षयरोग नियंत्रण में अपने व्यवसायिक सम्पर्को का भी पूरा उपयोग करते हैं ।

इस तरह के लोग कार्यक्रम के सफल निष्पादन के लिए बहुत ही आवश्यक है । इस तरह के लोगों को पहचाना जाना चाहिये तथा उनके अनुभवों का प्रयोग कार्यक्रम को सफल बनानें में करना चाहिए।